vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- la[;k& SSP/LW/NP-311

# अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 11 vad % 34 y[kuÅ] lkseokj 14 fnlEcj ls 20 fnlEcj] 2020 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

# किसान आज करेंगे भूख हड़ताल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के बनाए तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान सोमवार को भूख हड़ताल करेंगे। दिल्ली की सीमा पर चल रहे आंदोलन के १८वें दिन रविवार को किसान नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि सारे किसान नेता सिंघू ब र्डर पर एक साथ आएंगे और एक दिन का उपवास करेंगे। किसान नेताओं ने बताया कि सोमवार को सुबह आठ से लेकर शाम पांच बजे तक उनकी भूख हड़ताल चलेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी ऐलान किया है कि वे किसानों के समर्थन में सोमवार को उपवास करेंगे। किसान नेताओं ने रविवार की शाम को एक प्रेस कांफ्रेंस में की, जिसमें भूख हड़ताल की जानकारी देने के साथ ही यह भी बताया कि सोमवार को सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। किसान नेताओं कहा कि अवांछित तत्वों को आंदोलन से दूर रखने के लिए निगरानी की जाएगी। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने रविवार को कहा– आज गाजियाबाद ब र्डर पर कुछ गलत एलीमेंट पोस्टर लेकर आंदोलन में शामिल हुए थे, उन्हें हम लोगों ने हटाया और आगे भी हम लोगों को ऐसे लोगों पर नजर रखनी है। किसान आंदोलन में देश विरोधी लोगों के घुसने के केंद्र सरकार के मंत्रियों के आरोपों पर राकेश



टिकैत ने कहा– इंटेलीजेंस को ऐसे लोगों को पकड़ना चाहिए। अगर प्रतिबंधित संगठन के लोग हमारे बीच घूम रहे हैं तो उन्हें जेल में डालना चाहिए। हमें ऐसा कोई नहीं मिला, अगर दिखेगा तो बाहर निकाल देंगे। गौरतलब है कि दिल्ली दंगे के आरोपियों की रिहाई के पोस्टर लेकर कुछ लोग आंदोलन में शामिल हुए थे। उनकी तस्वीरें दिखा कर केंद्र सरकार के मंत्रियों ने आंदोलन पर सवाल उठाए हैं। बहरहाल, पहले से की गई घोषणा के मुताबिक रविवार को किसानों ने राजस्थान–हरियाणा में कई जगह हाईवे जाम किया। रविवार को राजस्थान–हरियाणा सीमा पर शाहजहांपुर से किसानों के ट्रैक्टर मार्च शुरू करने के बाद आंशिक रूप से तीन घंटे तक दिल्ली–जयपुर हाईवे को बंद किया गया था, जिसे बाद में खोल दिया गया। दिल्ली के चिल्ला में दिल्ली–नोएडा सीमा से किसानों की नाकेबंदी हटाने के बाद राजमार्ग को खोला गया। इस बीच, दिल्ली जाने के लिए रविवार को हजारों किसान, हरियाणा की रेवाड़ी सीमा पर पहुंच गए, जहां पुलिस ने उन्हें राज्य में प्रवेश करने से रोकने के लिए दिल्ली–जयपुर राजमार्ग के दोनों किनारों पर रोक दिया। राजस्थान और पंजाब से दिल्ली आ रहे किसानों को भी कई जगह रोके जाने की खबर है। एक तरफ केंद्रीय`षि कानूनों के विरोध में किसान अपने आंदोलन को तेज करने की तैयारी कर रहे हैं तो दूसरी ओर केंद्र सरकार आंदोलन से निपटने की योजना पर काम कर रही है। इस सिलसिले में केंद्रीय`षि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। तोमर के साथ वाणिज्य राज्य मंत्री सोम प्रकाश भी इस मुलाकात में शामिल थे। गौरतलब है कि आखिरी बार किसान संगठनों के नेताओं से अमित शाह की मुलाकात हुई थी। आठ दिसंबर को अमित शाह ने १३ किसान नेताओं से मुलाकात की थी। हालांकि उसमें कोई सहमति नहीं बन पाई। इसके अगले दिन सरकार ने एक लिखित प्रस्ताव किसान संगठनों को भेजा था, जिसे उसी दिन किसानों ने ठुकरा दिया। हालांकि सरकार का कहना है कि उसे इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। अमित शाह से किसान नेताओं की मुलाकात के अगले दिन यानी नौ दिसंबर की किसान नेताओं की वार्ता तीन केंद्रीय मंत्रियों की टीम के साथ होनी थी। लेकिन यह वार्ता टाल दी गई। उसके बाद अभी तक वार्ता की कोई तारीख तय नहीं हुई है। किसान संगठनों का कहना है कि वे सरकार की ओर से किसी नए प्रस्ताव का इंतजार कर रहे हैं। केंद्र सरकार के बनाए तीन कृषि कानूनों के विरोध में चल रहा आंदोलन जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है, पंजाब इस आंदोलन का समर्थन भी बढ़ता जा रहा है। किसानों के आंदोलन के समर्थन में पंजाब के एक सीनियर पुलिस अधिकारी डीआईजी लखमिंदर सिंह जाखड़ ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राज्य के एडीजीपी पीके सिन्हा को उन्होंने इस्तीफा भेजा है। सिन्हा ने इस्तीफा मिलने की पुष्टि की है। लखमिंदर सिंह ने लिखा– प्रदेश के किसान परेशान हैं। ठंड में खुले आसमान के नीचे सड़कों पर बैठे हैं। मैं खुद एक किसान का बेटा हूं, इसलिए इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहता हूं। तुरंत प्रभाव से पदमुक्त करें, ताकि दिल्ली जाकर अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर अपने हक के लिए लड़ सकूं।

## रऊफ को हिरासत में लेगी उत्तर प्रदेश पुलिस

लखनऊ। केरल के त्रिवेंद्रम हवाईअड्डे से शनिवार को पकड़े गये पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के नेता रऊफ शरीफ को उत्तर प्रदेश पुलिस हिरासत में लेगी और उससे हाथरस मामले में पूछताछ करेगी। उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून–व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने रविवार को बताया कि रऊफ हाथरस कांड में वांछित है और उसे लाने के लिए टीम भेजी जाएगी। ईडी की कार्रवाई पूरी होने के बाद पुलिस टीम जाएगी। उल्लेखनीय है कि हाथरस में सितंबर माह में दलित समुदाय की एक युवती के साथ कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के बाद राज्य का माहौल गर्मा गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तब कहा था कि वहां माहौल खराब करने की बड़ी साजिश की गई है। पुलिस ने इस मामले में मथुरा के मांट थाने में एक मुकदमा दर्ज किया था जिसमें रऊफ भी आरोपी है। पुलिस



के अनुसार, हिंसा भड़काने की साजिश में रऊफ की भूमिका सामने आई है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने रऊफ शरीफ के खिलाफ पिछले १८ नवंबर को लुकआउट नोटिस भी जारी किया था। रऊफ पीएफआई की छात्र शाखा 'कैंपस फ्रंट आफ इंडिया' का महासचिव बताया जाता है। जिसके चार साथियों को करीब दो माह पूर्व मथुरा के मांट क्षेत्र से पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मांट थाने में उन युवकों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था जिसमें रऊफ भी वांछित था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने रऊफ को त्रिवेंद्रम हवाई अड्डे से उस समय हिरासत में लिया था, जब वह विदेश भागने की तैयारी में था। पुलिस के अनुसार, रऊफ के ही कहने पर पीएफआई के पकड़े गए सदस्य हाथरस जा रहे थे। इन युवकों से पूछताछ में भी पुलिस को रऊफ के बारे में खास जानकारी मिली थी। पुलिस के अनुसार, रऊफ को देश विदेश से करोड़ों रुपये की मदद मिली है।

## आशियाना थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरो का आतंक बरकरार

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में नहीं थम रहा है बेखौफ चोरो का आतंक, चोरो ने एक बंद मकान पर धावा बोल लाखो रुपये किमत की ज्वैलरी पार कर एक बार फिर पुलिस कड़ी चुनौती दे डाली है। घर पहुंचे परिजनों को चोरी की जानकारी होने पर कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद पीड़ित के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आशियाना थाना क्षेत्र के रतन खंड मकान संख्या १६३७८ में बैंककर्मी धीरेंद्र वर्मा पुत्र धनराज वर्मा अपनी पत्नी अनिता वर्मा व दो बच्चों संग रहते है। पीड़ित बैंककर्मी के मुताबिक वह अपने परिवार संग बीते ३० नवम्बर को अपने पैतृक गांव जनपद फतेहपुर शादी समारोह में शामिल होने गए थे । रविवार दोपहर वापस लौटे तो देखा की घर का सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ है जिसकी सूचना कंट्रोल रूम नंबर पर पुलिस की दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे स्थानीय आशियाना थाना प्रभारी ने जांच के बाद पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं पीड़ित के मुताबिक चोरो ने एक सोने का गले का हार,एक चेन व कुंडल जिसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये है चोरी कर ले गए है।

# सम्पादकीय

## सरकार कृषि कानूनों को रद्द करने पर राजी नहीं

यह तो साफ है कि नरेंद्र मोदी सरकार कृषि कानूनों को रद्द करने पर राजी नहीं है। दरअसल, व्यापक विचार विमर्श या लोकतांत्रिक आलोचना के आगे झुकना मोदी सरकार की कार्यशैली का हिस्सा नहीं है। ये बात पिछले साल नागरिकता संशोधन कानून के संदर्भ में भी साफ हुई थी। लेकिन तब चूंकि विवाद में एक तत्व मुसलमान का था, तो सत्ताधारी जमात ने उस मुद्दे पर हो रही गोलबंदी को अपने लिए फायदेमंद समझा। सरकार के दुष्प्रचार, प्रशासनिक सख्ती और कोरोना महामारी की मार के कारण वो आंदोलन समाप्त हो गया। अब काफी कुछ वही नजरिया किसान आंदोलन के सिलसिले में देखने को मिल रहा है। इस बार चूंकि बात किसानों की है और उसे मध्य वर्ग से भी बड़ा समर्थन मिल गया है, इसलिए बातचीत का दिखावा जरूर किया जा रहा है। लेकिन अब तक सरकार ने कोई ठोस ऐसी बात नहीं की है, जिसके आधार पर समझौता हो सके। जबकि एक तरीका यह हो सकता था कि सरकार कानूनों पर अमल फिलहाल सस्पेंड करने का एलान करती और कहती कि अब व्यापक राय–मशविरे से इन्हें नया रूप दिया जाएगा। लेकिन इसके विपरीत सत्ताधारी पार्टी के एक नेता ने यह कह दिया है कि अगर कानून लागू नहीं हुए तो कॉरपोरेट सेक्टर नाराज हो जाएगा। इससे किसान और भड़के हैं तो उसमे हैरत क्या है। इसी कारण किसानों ने मंगलवार को सुबह ११ बजे से दिन के तीन बजे तक भारत बंद का आयोजना किया। इस दौरान चक्का–जाम का काफी असर रहा। दिल्ली समेत कुछ राज्यों में यातायात सेवाएं प्रभावित रहीं। कृषि मंडियां और कुछ राज्यों में दुकानें और दफ्तर भी बंद रहे। राष्ट्रीय राजधानी आंदोलन का केंद्र बनी हुई है। बंद का काफी असर दिल्ली और एनसीआर में देखा गया। अब आशंका है कि शहरों में फल, सब्जियों, दूध इत्यादि की आपूर्ति में कमी भी हो सकती है। बंद के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने किसान नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया, तो आशा जगी कि शायद वे कोई संतोषजनक प्रस्ताव रखेंगे। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। तो अब भी गतिरोध जारी है। किसानों और सरकार के बीच औपचारिक बातचीत के पांच दौर हो चुके हैं। छठे दौर की बातचीत होनी थी, लेकिन अमित शाह की किसान नेताओं से बातचीत के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। मगर सरकार को यह ध्यान में रखना चाहिए कि कानून बनाने और उस पर अमल की लोकतांत्रिक परिपाटी छोड़ने पर समाज टूटते हैं।

## बलरामपुर अस्पताल के पूर्व निदेशक की कोरोना से मौत

लखनऊ। कोरोना वायरस कमजोर हो गया, यह समझना भूल होगी। लिहाजा, बचाव के पूरे जनत करें। शहर में न सिर्फ सैकड़ों मरीज निकल रहे हैं, बल्कि वायरस कइयों की जान भी ले रहा है। शनिवार को बलरामपुर अस्पताल के पूर्व निदेशक समेत सात मरीजों की जान चली गई ।राजधानी में कई डॉक्टर की वायरस जान ले चुका है। अब बलरामपुर अस्पताल के पूर्व निदेशकों में शनिवार को दूसरी मौत रही। एरा मेडिकल क लेज में कई दिनों से भर्ती बलरापुर अस्पताल के पूर्व निदेशक डॉ. एमजे असलम शनिवार को कोरोना से जंग हार रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एमएम फरीदी ने उनकी मौत की पुष्टि की। डॉ. असलम का कई दिनों से आइसीयू में इलाज चल रहा था। वायरस ने उनके फेफड़े समेत कई अंगों को जकड़ लिया। लिहाजा, डॉक्टरों के काफी प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। तमाम चिकित्सकों ने उनकी मौत पर संवेदना जताई। इससे पहले पूर्व निदेशक डॉ. राम स्वरूप का भी कोरोना से निधन हो चुका है। डफरिन में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ की भी कोरोना में जान जा चुकी है। शहर के आधा दर्जन से अधि ाक चिकित्सकों की वायरस जान ले चुका है। इसके अलावा शहर निवासी कुल सात मरीजों की सांसें कोरोना से थमीं। २४ घंटे में २६७ मरीज वायरस की चपेट में मिले। अफसरों के लाख प्रयास के बावजूद वायरस की चेन ब्रेक नहीं हो पा रही है। इस दौरान ३१५ मरीजों ने वायरस को हराने में कामयाबी हासिल की। इन्हें अभी क्वारंटाइन में रहना होगा। इस दौरान डॉक्टरों ने खानपान पर ध्यान रखने की सलाह दी।

## आज तक कोई पार्षद मुझसे मिलने नहीं आया : राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम सदन की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि मुझे आज तक नहीं पता राजभवन जिस क्षेत्र में है, उसका पार्षद, विध ायक और सांसद कौन है? मैं उनको बुलाना चाहती हूं। आज तक कोई पार्षद मुझसे मिलने नहीं आया। पार्षदों के पास ऐसे कई काम हैं, जो बिना पैसे हो सकते हैं। पार्षद, विधायक और सांसद को अपने–अपने क्षेत्र के अस्पताल में भर्ती रोगियों, गर्भवती महिलाओं से मिलना चाहिए। उनको सरकार से योजना का लाभ मिल रहा या नहीं इसकी जानकारी भी लेनी चाहिए। राज्यपाल ने पार्षदों से पूछा कि कितने पार्षदों ने अपने इलाके में आंगनबाड़ी में कुपोषित बच्चों का हाल जाना है? सभी को प्राथमिक स्कूल जाना चाहिए। यह भी देखें कि कितनी महिलाओं की अस्पताल में डिलीवरी

हो पा रही है। आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है या नहीं। इसके लिए कैंप लगवाएं। अलग–अलग इलाकों में डोनेशन देने वाले मिल जाएंगे। आप उनसे आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए कुर्सी ले सकते हैं। सारे काम राज्य सरकार नहीं कर सकती। नगर निगम में 'नगर' का मतलब न से 'नल', ग से 'गटर' और र से 'रोड' होता है। वहीं, नगर निगम सदन के तीन साल पूरा होने पर मेयर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि महिला शक्ति मिशन के तहत महिला महाविद्यालय खोला जाएगा। गरीब महिलाओं को रोजगार मिलेगा। मोहन मार्केट सहित निगम की अन्य सम्पत्तियों का निस्तारण होगा। स्वच्छता की रैंकिंग में नंबर एक पर लाने के लिए डोर–टू–डोर कूड़ा निस्तारण के लिए वाहन खरीदेंगे। कार्यक्रम में कैलाश खेर की आवाज में नगर निगम के थीम सांग की भी ल न्चिंग हुई। वहीं, राज्यपाल ने निगम के आठ सफाई कर्मियों संगीत कुमार, रेनू, पप्पू, अनीता, रेनू, गससु, माया, ओम प्रकाश को कोरोना योद्धा से सम्मानित किया।

## 'पूर्वांचल के विकास के लिए सभी संस्थानों और विभागों को एक साथ जुड़ना होगा'

लखनऊ। प्रदेश सरकार के नियोजन विभाग व दीन दयाल उपाध्ध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की ओर से तीन दिवसीय "पूर्वांचल का सतत विकास, मुददे, रणनीति एवं भावी दिशा" विषय पर आयोजित मेगा राष्ट्रीय वेबिनार के शनिवार को समापन समारोह को मुरादाबाद से वर्चुअली सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि क्षेत्रीय विषमता हमेशा प्रगति में बाधक होती है। प्रदेश के विकास के लिए चार आर्थिक जोन पूर्वांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल व बुंदेलखंड में बांट कर दो पूर्वांचल व बुंदेलखंड विकास बोर्ड गठन किया, ताकि आर्थिक विषमताओं को दूर किया जा सकें। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के विकास के लिए सभी संस्थानाओं व विभागों को एक साथ जुड़ कर कार्य करना होगा। वेबिनार में विद्वानों के जो सुझाव आएं है, उन पर मिलकर मंथन करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भगवान बुद्ध के अष्प दीपो भव मंत्र का सही पालन नहीं कर पाए। प्रकृति की कृपा कहीं अधिक है तो कहीं कम लेकिन पूर्वांचल भाग्यशाली है, जो प्राकृति से काफी समृद्ध है। प्रथम मानव की सृष्टि पूर्वांचल में हुई। सभ्यता की सबसे प्राचीन भूमि होने के बाद भी हम सबसे पिछड़े रहे, अपने को गरीब समझते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैने पूर्वी उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों को दौरा किया है। मुझे कहीं भी जल की कमी नहीं नजर आई। मानवीय सभ्यता के जो मुख्य कारक थे, वह यहां सबसे अधिक मात्रा में मौजूद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वांचल के विकास की पहल गोरखपुर विश्वविद्यालय ने की है। विकास के लिए सभी संस्थानों और विभागों को एक साथ जुड़ना होगा। तब इसके सार्थक परिणाम देखने को मिलेंगे। नाकारात्मक सोच की वजह से पूर्वांचल में गरीबी व पिछड़ापन देखने को मिला है। ऐसे लोगों को दूध से मख्खी की तरह निकालना होगा। सकारात्मक सोच के साथ ही पूर्वांचल के विकास के साथ जुड़ना होगा। कार्यक्रम में केन्द्रीय आयुष मंत्री श्रीपद यसो नाइक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्वांचल के सतत विकास को लेकर योगी जी पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस वेबिनार में शामिल होना, मेरा सौभाग्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन दिनों जो पूर्वांचल के विकास के लिए जो मंथन चला है। उसमें समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर और स्थानीय संस्थानों के माध

यम से करना होगा। प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोत्तरी की संभावनाएं है, उसे आगे बढ़ाया जा सकता है। कृषि अनुसंधान केन्द्रों को कृषि विश्वविद्यालय से जोड़ा है। ताकि किसानों उत्पादन बढ़ा कर उपज का बेहतर मूल्य दिलाया जा सकें। उपज को मार्केट तक पहुंचाने के लिए एक्सपोर्ट पॉलिसी लाकर व्यापक संभावना तैयार की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्विस सेक्टर में यहां अपार संभावनाएं है। ६ बौद्ध पर्यटन स्थलों में ५ पूर्वी क्षेत्र में है। हमें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अच्छे होटलों की चेन बनाना होगी। टूरिस्ट गाइड तैयार करना होंगे। आवागमन के लिए सुविधा बढ़ाना होगा। कुशीनगर व अयोध्या में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे बनाए जा रहे हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पूर्वी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की 'बैक बोन' बनेगा। यह वहां के विकास के क्रम को आगे बढ़ाएंगा। पूर्वांचल के युवाओं को वहीं रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन के योजनाओं की जानकारी युवाओं को नहीं हो पा रही है। युवाओं को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, ओडीओपी योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना ,स्टार्टअप योजना, स्टैण्डअप योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना आदि जानकारी नहीं है। इन योजनाओं को युवाओं तक पहुंचाने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालयों व शैक्षिक संस्थानों को उठाना होगी। साथ ही संस्थानों को सैद्धांति ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान से भी जुड़ना । मुख्यमंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति पूरे देश में व्यापक परिवर्तन का आधार बनने जा रही है। सभी शैक्षिक संस्थान एक कमेटी का गठन करें और इसके लिए एक कार्ययोजना को तैयार करें। शासन की योजनाओं को कैसे प्रभावी बनाया जाए और उसे युवाओं तक कैसे पहुंचाया जाए। इसकी कार्ययोजना भी तैयार करना होगी। दीपावली दीयों से लेकर लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों तक के लिए पहले हम चीन पर निर्भर थे जबकि यूपी में सभी संसाधन मौजूद है। उत्ध्तर प्रदेश सरकार ने चीन की निर्भरता को खत्म किया। इससे दिवाली पर हर घर में मिटटी के दीये जले। स्थानीय कारीगारों की बनाई लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों की पूजा हुई। इससे स्थानीय कारीगारों की आत्मनिर्भरता और कारोबार को बढ़ावा मिला।

# मीटर रीडिंग नहीं होने पर उपभोक्ताओं को मिलेगा प्रतिदिन मुआवजा

लखनऊ। प्रदेश के महानगरों के उपभोक्ताओं को उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग ने सहूलियत दी है। आयोग की ओर से बिजली कंपनियों को आदेशित किया गया है कि मीटर संबंधित समस्याओं का समाधान तय समय के अंदर नहीं होने पर मुआवजा दे। इस आदेश के बाद से राज्य

उपभोक्ता परिषद प्रदेश के उपभोक्ताओं को मुआवजा लेने संबंधित अधिकारों के प्रति जागरूक करने लगा है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि अभी क्लास एक के सभी शहरो में सभी मामलों में मुआवजा लागू है। ऐसे में उपभोक्ता परिषद अब सभी अपने उपभोक्ताओं को अलग–अलग मामले को उनको जागरूक करेगा। परिषद की ओर से बताया गया कि नया स्टैन्डर्ड आफ परफार्मेन्स रेगुलेशन २०१६ पर फरवरी २०२० में उ. प्र. शासन द्वारा अधिसूचना जारी की गई थी। उसके अनुसार सभी श्रेणी एक के शहरों में नौ माह के अंदर अपना शिकायत केंद्र चालू करना था। शहरी क्षेत्रों के लिए १२ महीने व ग्रामीण क्षेत्रों में १८ माह में शिकायत केंद्र बन जाना चाहिए था। जो सभी इलेक्ट्र निक मोड सहित फोन मेल व एसमस व मोबाइल एप्लीकेशन के तहत दावा व शिकायत प्राप्त करने के लिए स्थापित होता। लेकिन अभी काम को नहीं कराया गया। अवधेश वर्मा ने बताया कि अभी तक शिकायत केंद्रों को नहीं शुरू किया जा सका गया है ऐसे में उपभोक्ताओं को मुआवजा लेने के लिए डिवीजन के अधिशासी अभियंता से संपर्क करना चाहिए। उपभोक्ता समस्या दोष के मामले में मुआवजा निर्धारित समय सीमा, जले हुए मीटर का बदला जाना रु ५० प्रतिदिन आवेदन के ३ दिन बाद, उसी परिसर में मीटर लाइन की सिफ्टिंग रु ५० प्रतिदिन आवेदन के ७ दिन बाद, टेस्ट रिपोट के पक्षात दोष युक्त मीटर बदलना रु ५० प्रतिदिन आवेदन के १५ दिन बाद, मीटर रीडिंग के मामले रु २०० प्रतिदिन आवेदन के १५ दिन बाद

# सरकारी डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में नहीं बन सकेंगे सीनियर रेजिडेंट

लखनऊ। योगी सरकार ने सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रांतीय चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा (पीएमएचएस) संवर्ग के वे डॉक्टर जो स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई करेंगे अब उन्हें मेडिकल कॉलेजों में सीनियर रेजीडेंट बनने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पीजी की पढ़ाई करने के बाद सरकारी डॉक्टरों द्वारा मेडिकल कॉलेजों में सीनियर रेजीडेंट बनने से सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी हो रही है। ऐसे में अब पीएमएचएस संवर्ग के डॉक्टरों को पीजी की पढ़ाई करने के बाद फिर विभाग में ही सेवाएं देनी होंगी। वहीं, बीच में पीजी की पढ़ाई छोड़ने वाले डॉक्टरों को तीन साल के लिए डिबार कर दिया जाएगा। यानी उन्हें आगे तीन वर्षों तक पीजी की पढ़ाई करने की छूट नहीं दी जाएगी।अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अब स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम (पीजी) की पढ़ाई करने वाले सरकारी डॉक्टर सीनियर रेजिडेंट नहीं बन सकेंगे। कोई डॉक्टर पीजी कोर्स का अध्ययन बीच में ही छोड़ देता है, तो ऐसे डॉक्टरों को तीन साल के लिए डिबार किया जाएगा। उनका कहना है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सालयों में डीएनबी कोर्स चलाए जाते हैं, ऐसे में वहां खुद सीनियर रेजीडेंट की जरूरत होती है। ऐसे में अगर यह सरकारी डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में सीनियर रेजीडेंट बन गए तो यहां कठिनाई होगी। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि तीन अप्रैल, २०१७ से ही पीजी की पढ़ाई करने के बाद १० साल की सेवा विभाग में देने और इस नियम को तोड़ने पर एक करोड़ रुपये डॉक्टर से वसूलने का प्रावधान है। पीजी में प्रवेश को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के लिए स्वास्थ्य विभाग २०१७ के आदेश को अब और सख्ती से लागू कराएगा। पीएमएचएस संघ के अध्यक्ष डॉ. सचिन वैश्य व महामंत्री डॉ. अमित सिंह ने इस शासनादेश का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में प्रदेश में सरकारी मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। अगर वहां पर पीएमएचएस संवर्ग के डॉक्टरों को मौका नहीं दिया जाएगा तो वह किस तरह आगे बढ़ेंगे। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि वह इस आदेश पर फिर से विचार करें। उन्होंने कहा कि यह अजीब विरोधाभास है कि एक तरफ तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नए चिकित्सा संस्थानों को खोलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, वहीं दूसरी ओर इन संस्थानों में फैकल्टी कहां से आएगी, यह कोई सोचना ही नहीं चाहता। सीनियर रेजीडेंसी करने के पश्चात ही कोई चिकित्सक असिस्टेंट प्रोफेसर या प्रोफेसर बन पाते हैं। तो हमारे संवर्ग के चिकित्सकों को सीनियर रेजीडेंसी की अनुमति मिलनी चाहिए।बता दें कि यदि ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी अस्पताल में एक साल नौकरी करते हैं तो एमबीबीएस डॉक्टरों को नीट प्रवेश परीक्षा में १० अंको की छूट दी जाती है। दो साल की सेवा देने वाले ड क्टरों को २० और तीन साल पर ३० अंकों की छूट दी जाती है। साथ ही कहा गया है कि अब डॉक्टर पीजी के साथ ही डिप्लोमा कोर्सेज में भी एडमिशन ले सकते हैं। सरकार का कहना है कि इसके अलावा नीट में छूट की व्यवस्था भी की गई है ताकि सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को पूरा किया जा सके।

# 5 वर्षों में 4 लाख लोगों को रोजगार देगी योगी सरकार

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश इलेक्ट्र निक्स मैन्युफैक्चरिंग नीति २०२० के तहत अगले पांच वर्षों में ४० हजार करोड़ के निवेश और चार लाख व्यक्तियों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए जेवर एयरपोर्ट के करीब इलेक्ट निक सिटी की स्थापना, बुंदेलखंड में रक्षा इलेक्ट्र निक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर व लखनऊ–उन्नाव– कानपुर जोन में मेडिकल इलेक्ट्र निक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना की जाएगी। लखनऊ में शनिवार को लोक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में में यूपी के उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने बताया उत्तर प्रदेश इलेक्ट्र निक्स मैन्युफैक्चरिंग नीति २०२० के तहत अगले पांच वर्षों में ४० हजार करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा गया है और चार लाख व्यक्तियों को रोजगार दिया जाएगा। डिप्टी सीएम डॉ दिनेश शर्मा ने उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग नीति २०१७ की उपलब्धियों के बारे में बताया कि इसमें पांच वर्षों में २० हजार करोड़ के निवेश और तीन लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था, जो मात्र तीन वर्षों में ही प्राप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि यूपी इलेक्ट्र निक्स मैन्युफैक्चरिंग के हब के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। ग्रेटर नोएडा में १०० एकड़ में इलेक्ट्र निक्स मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर विकसित किया जा रहा है। प्रदेश के हर जिले में एक स्टार्टअप केंद्र स्थापित किया जाएगा। अभी तक तीन हजार से स्टार्टअप स्थापित किए जा चुके हैं आगे १० हजार स्टार्टअप स्थापित किए जाएंगे।

# भदोही में कालीन कारोबारी के दो ठिकानों पर ईडी का छापा

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब १,५०० करोड़ रुपये की धांधली के आरोप में भदोही के एक कालीन कारोबारी के यहां भी लंबी छानबीन की है। ईडी ने इस मामले में विभन्न राज्यों में सात स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें भदोही भी शामिल था। भदोही में दो स्थानों पर कार्रवाई हुई है। ईडी ने शुक्रवार को छापा मारा था और उसकी कार्रवाई शनिवार सुबह तक जारी रही। ईडी मुख्यालय की टीम के साथ लखनऊ स्थित जोनल कार्यालय के अधिकारी भी भदोही में की गई छापेमारी में शामिल रहे। सूत्रों का कहना है कि ईडी ने भदोही में कालीन कारोबारी मेसर्स काका कारपेट्स और काका ओवरसीज लिमिटेड के दो ठिकानों पर छापेमारी करते हुए वहां से कई दस्तावेज अपने कब्जे में लिए हैं। इनमें कालीन कारोबारी के बैंक खातों से जुड़े व कुछ संपत्तियों के दस्तावेज भी शामिल हैं। इसके

अलावा कंप्यूटर की कई हार्डडिस्क भी कब्जे में ली हैं।बताया गया कि ईडी विदेश के खातों में गैरकानूनी ढंग से करीब १,५०० करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जाने की जांच कर रही है। इस मामले में भदोही के कालीन कारोबारी की संलिप्तता की बात भी सामने आई है। सूत्रों का कहना है कि कालीन व्यापारी जिस सिंडिकेट से जुड़ा है, उसने सिंगापुर, हांगकांग व चीन से कस्टमाइज सॉफ्टवेयर का आयात करने के नाम पर ११ शेल कंपनियों (सिर्फ कागजों में बनी कंपनियों) के बैंक खातों में करीब १,५०० करोड़ रुपये जमा कराए थे।ईडी की जांच में सामने आया है कि भदोही के कालीन कारोबारी के बैंक खातों से भी करोड़ों रुपये विदेश में शेल कंपनियों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए हैं। मामले में मनी लांड्रिंग और फेमा एक्ट के तहत साक्ष्य जुटाने के बाद ईडी ने छापेमारी की है। ईडी अब कालीन कारोबारी के बैंक खातों की गहनता से छानबीन कर रही है। इतनी बड़ी रकम विदेशी शेल कंपनियों के खातों में किस मकसद से ट्रांसफर की गई, इसकी सिलसिलेवार छानबीन की जा रही है।

# यूपी में कब–कब मिलेंगी सरकारी छुट्टियां

लखनऊ। योगी सरकार ने साल २०२१ में राज्य के सरकारी कार्यालयों में सार्वजनिक अवकाश संबंधी नोटिफिकेशन जारी किया है। मौजूदा साल की तरह अगले वर्ष सरकारी कर्मचारियों को छुट्टियां तो उतनी ही मिलेंगी, अलबत्ता इस वर्ष की तुलना में अगले साल ज्यादा छुट्टियां शनिवार और रविवार को पड़ेंगी। इससे सरकारी कर्मचारियों को कम छुट्टियों से संतोष करना होगा। जून और सितंबर को छोड़कर शेष सभी महीनों में एक से चार दिन तक सार्वजनिक अवकाश रहेंगे।उत्तर प्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष २०२१ के सार्वजनिक अवकाशों का कैलेंडर जारी कर दिया है। कुल २५ छुट्टियां हैं लेकिन इनमें सात छुट्टियां शनिवार व रविवार को पड़ रही हैं। हालांकि इनमें आठ छुट्टियां ऐसी हैं जो सोमवार या शुक्रवार को पड़ रही हैं। इस वर्ष यानी २०२० में दो राजपत्रित अवकाश शनिवार और तीन रविवार को पड़े। वहीं २०२१ में तीन छुट्टियां शनिवार और चार रविवार को पड़ेंगी। अगले वर्ष दो अक्टूबर को गांधी जयंती, छह नवंबर को भैया दूज और २५ दिसंबर को क्रिसमस डे की छुट्टियां शनिवार को होंगी। वहीं २८ मार्च को होलिका दहन, २५ अप्रैल को महावीर जयंती, १५ अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और २२ अगस्त को रक्षाबंधन की छुट्टियां रविवार को पड़ेंगी।हालांकि अगले वर्ष मो.हजरत अली का जन्मदिवस, गुड फ्राइडे, होली, ईद–उल–फितर और कार्तिक पूर्णिमा के त्योहार शुक्रवार को पड़ने के कारण पांच दिनी साप्ताहिक कार्यदिवस वाले दफ्तरों के कार्मिकों को शनिवार और रविवार के कारण तीन दिन की छुट्टी मिलेगी। नवमी और विजयदशमी का त्योहार गुरुवार और शुक्रवार को पड़ने के कारण दशहरा पर चार दिन की छुट्टियां मिलेंगी।

# आईएसएल-७ : मुम्बई सिटी की नजरें लगातार पांचवीं जीत पर

गोवा। हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में लगातार चार जीत दर्ज करने के बाद टेबल टॉपर मुम्बई सिटी एफसी आज बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में जमशेदपुर एफसी के खिलाफ होने वाले अपने अगले मैच में भी जीत की लय जारी रखना चाहेगी। ऐसा नहीं है कि मुम्बई के पक्ष में केवल परिणाम ही आया है, बल्कि इस सीजन में उसके प्रदर्शन में निरंतरता भी देखने को मिली है। कोच सर्जियो लोबेरा की टीम ने इस सीजन में अब तक सबसे ज्यादा आठ गोल किए हैं जबकि कम से कम दो गोल खाए हैं। गोल करने के लिए टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। टीम के लिए इस सीजन में अब तक चार अगल अलग खिलाड़ी गोल कर चुके हैं। लेकिन, इन सब के बावजूद कोच लोबेरा का मानना है कि उनकी टीम को अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। मुम्बई

के लिए खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या नहीं है। लेकिन टीम को एक बार फिर से मंदार राव देसाई की सेवाएं नहीं मिल पाएगी, जो निजी कारणों से पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाएं हैं। मुम्बई के मौजूदा फ र्म को देखते हुए किसी भी टीम को आइलैंडर्स से सावधान रहना होगा। लेकिन जमशेदपुर के कोच ओवेन क यले लीग में दूसरों की तुलना में थोड़ा अधिक आशावादी है। जमशेदपुर की टीम एटीके मोहन बागान को हराकर उसका विजयरथ रोक चुकी है और क यले को उम्मीद है कि उनकी टीम इसी प्रदर्शन को आगे भी जारी रखेगी। क यले एक बार फिर से नेरीजुस व्लास्किस पर निर्भर होंगे, जो इस सीजन में जमशेदपुर के छह गोलों में से पांच गोल खुद दाग चुके हैं। जमशेदपुर अपने प्रतिद्वंद्वी मुम्बई से छह अंक पीछे है और टीम ने पिछले चार मैचों में तीन ड्र खेले हैं। हालांकि, कोयले का मानना है कि उनकी टीम के लिए चीजें धीरे–धीरे सही हो रही हैं।

# रजनीकांत के 70 वें जन्मदिन पर नेताओं ने दीं शुभकामनाएं

चेन्नई। तमिल सुपरस्टार रजनीकांत शनिवार को ७० साल के हो गए। इस मौके पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के.पलानीस्वामी और डीएमके अध्यक्ष एम.के.स्टालिन समेत कई नेताओं ने दिग्गज अभिनेता को बधाई दी। बता दें कि रजनीकांत जल्द ही अपनी पार्टी लॉन्च करने वाले हैं। हालांकि पोएस गार्डन स्थित उनके आवास के बाहर इकट्ठा हुए प्रशंसकों को निराशा हुई। उन्होंने उनकी मूर्ति के पास जन्मदिन का केक काटने की व्यवस्था की थी और वे उन्हें बधाई देना चाहते थे लेकिन रजनीकांत अपने आवास पर नहीं थे। वे अपने परिवार के साथ बाहर चले गए थे। एक ट्वीट में पलानीस्वामी ने कहा, "लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए रजनीकांत को मेरी ओर से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वहीं स्टालिन ने अपने ट्वीट में कहा, प्यारे दोस्त रजनीकांत को जन्मदिन की शुभकामनाएं और प्यार। द्रमुक नेता ने यह भी कहा कि उन्होंने फोन

करके अभिनेता को शुभकामनाएं दी हैं। उधर रजनी मक्कल मंदरम के सदस्यों ने राज्य के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा की। साथ ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में उन्होंने रजनीकांत को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए पोस्टर भी लगवाए।

# कोहली के खिलाफ पहले टेस्ट में मुझे बढ़त होगी : हेजलवुड

नई दिल्ली। तीन मैचों की वनडे सीरीज में विराट कोहली को तीन बार आउट करने वाले आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि १७ दिसंबर से एडिलेड में होने वाले पहले टेस्ट मैच में

उन्हें कोहली के खिलाफ थोड़ी बहुत मानसिक बढ़त हासिल होगी। हेजलवुड ने कहा कि पहला टेस्ट जो दिन–रात प्रारूप में खेला जाएगा वो एक नई शुरुआत होगी। इस मैच के बाद कोहली अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट लेंगे। हेजलवुड ने संवाददाताओं से कहा, "नहीं मुझे नहीं लगता कि मुझे उनके खिलाफ एडवांटेज होगा। सफेद गेंद से उनके खिलाफ मेरी किस्मत ने साथ दिया। इससे आप अगले प्रारूप में मदद ले सकते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक नई शुरुआत होगी। गुलाबी गेंद से अलग कहानी होती है। उन्होंने पिछले साल लाल गेंद से रन किए थे। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि उनके खिलाफ शुरुआत करना भी अहम है। हम उनके खिलाफ एक टेस्ट में दो ही पारियों में खेलेंगे। यह जरूरी है कि हम उनके खिलाफ अच्छी शुरुआत करें और उन पारियों में उनके प्रभाव को खत्म करें। हेजलवुड ने गुलाबी गेंद से गेंदबाजी करने की चुनौती पर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनकी टीम लाइट्स में गेंदबाजी करना पसंद करेगी क्योंकि गेंद लाइट्स में ज्यादा मूव करती है। हेजलवुड ने कहा, "हां, जाहिर बात है.. मुझे लगता है कि रात में मैच का समय जल्दी निकलता है, खासकर जब आप तेज गेंदबाजी कर रहे हो। उन्होंने हालांकि इस बात को माना कि फायदा इस बात पर भी निर्भर करता है कि गेंद नई है या पुरानी। उन्होंने कहा, "लेकिन यह निर्भर करता है कि आपके पास किस तरह की गेंद है। आपके पास रात में नई गेंद है, अगर हम हमारा इंग्लैंड दौरा देंखे तो जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्र ड रात में गेंद को स्विंग करा रहे थे और मैच जल्दी ही खत्म हो रहा था। इसके उलट जब आपके पास रात में पुरानी गेंद होती है और दो बल्लेबाज सेट हैं तो यह काफी आसान हो जाता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि नई गेंद कब आती है। हेजलवुड ने कहा कि डे–नाइट टेस्ट में पहले गेंदबाजी करना आसान नहीं होता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप पहले बल्लेबाजी करते हो तो आपको फायदा है।

# आस्ट्रेलियाई टीम से दोबारा जुड़ेंगे स्टार्क

सिडनी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क भारत के खिलाफ खेली जाने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले सोमवार को

आस्ट्रेलिया से जुड़ेंगे। सीरीज की शुरुआत १७ दिसंबर को एडिलेड में होने वाले मैच से हो रही है। स्टार्क ने तीन मैचों की टी–२० सीरीज के पहले मैच के बाद निजी कारणों से सीरीज बीच में छोड़ दी थी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने रविवार को एक बयान में कहा, "स्टार्क ने आस्ट्रेलिया प्रबंधन को बताया है कि वह एडिलेड में दोबारा टीम के साथ जुड़ने को तैयार हैं और वह सोमवार को सिडनी से आस्ट्रेलिया–ए टीम के साथ उड़ान भरेंगे। वह चार्टर्ड विमान से टेस्ट टीम के सदस्य सीन एब ट, जोए बर्न्घ्स, कैमरून ग्रीन, मार्कस हैरिस और मिशेल स्वेप्सन के साथ उड़ान भरेंगे। ३० साल के इस खिलाड़ी को डे–नाइट टेस्ट की तैयारी के लिए दो दिन मिलेंगे। टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने बयान में कहा, इस मुश्किल समय में हम स्टार्क के साथ हैं। हम इस बात से खुश हैं कि उन्होंने कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताया। हम सोमवार को उनका स्वागत करने को तैयार हैं। स्टार्क के डे–नाइट टेस्ट में रिकार्ड शानदार है। वह सात डे–नाइट टेस्ट मैचों में ४२ विकेट ले चुके हैं।

# वायर्ड हैंडसेट में शामिल हुआ गूगल असिस्टेंट फीचर

नई दिल्ली। गूगल ने सभी वायर्ड हेडफोन्स पर असिस्टेंट सपोर्ट उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है, जिसमें व यस नोटिफिकेशन भी शामिल है। ६ टू ५ गूगल के मुताबिक, यह फीचर सभी वायर्ड हेडफोन पर काम करेगा, चाहे कनेक्शन यूएसबी टाइप–सी हो या ३.५ एमएम कनेक्शन हो। अब वायर्ड हेडफोन को यूएसबी टाइप–सी हो या ३.५ एमएम हेडफोन जैक के माध्यम से कनेक्ट करने के बाद आपको गूगल असिस्टेंट से एक नोटिफिकेशन मिलेगा। इस पर टैप करने से ही सेटअप प्रॉसेस शुरू हो जाएगा और यूजर के द्वारा परमिशन को ओके किया जाएगा, तो असिस्टेंट आपके फोन पर आने वाले नोटिफिकेशंस को पढ़कर सुनाना शुरू कर देगा। इसके बाद आपको असिस्टेंट को कुछ और परमिशंस देने होंगे, जिससे सेटअप पूरा हो जाएगा। वॉयस कमांड के लिए ईयरफोन पर कॉल एक्सेप्ट बटन को सिंक करना होगा। गूगल असिस्टेंट के साथ फोन को अनल क किए बिना ही वॉयस कमांड के माध्यम से पर्सनल सर्च रिजल्ट, कैलेंडर से संबंधित जानकारी को प्राप्त कर सकेंगे। फिलहाल के लिए इस असिस्टेंट फीचर को केवल कुछ वायरलेस ब्लूटूथ हेडफोन पर ही उपलब्ध कराया गया है और वायर्ड हेडफोन के मामले में गूगल के यूएसबी–सी पिक्सल बड्स पर इसे उपलब्ध कराया गया है।

# अंगूठे में चोट के कारण आजम न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर

क्वीसंटाउन। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की टी–२० सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें रविवार सुबह अभ्यास के दौरान दाहिने अंगूठे में चोट लग गई थी जिसके कारण उनका अंगूठा फ्रैक्चर हो गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बयान जारी कर कहा है कि बाबर को थ्रो डाउन के दौरान चोट लग गई थी जिसके कारण उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां एक्स–रे में फ्रैक्चर बताया गया है। इसी कारण वह १२ दिन तक नेट्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगे जिसका मतलब है कि वह १८, २० और २२ दिसंबर को होने वाले तीन टी–२० मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इस दौरान डॉक्टर बाबर की चोट पर नजरें बनाएं रखेंगे और २६ दिसंबर को होने वाले पहले टेस्ट मैच में उनके हिस्सा लेने पर फैसला लेंगे। बाबर से पहले इमाम उल हक को भी बाएं अंगूठे में चोट लगी थी और उनका भी अंगूठा फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण वह पाकिस्तान शाहीन के साथ चार दिवसीय मैच में न्यूजीलैंड–ए के खिलाफ हिस्सा नहीं ले पाए थे। बाबर के साथ डॉक्टर इमाम की चोट पर भी नजरें बनाए रखेंगे। पाकिस्तान के मुख्य कोच मिस्बाह उल हक ने कहा, "चोटें खेल का हिस्सा है।

# मोदी ने फिर कृषि कानूनों की तारीफ की

नई दिल्ली। देश में खेती–किसानी से जुड़े नए कानूनों के खिलाफ पंजाब और हरियाणा के किसानों के चल रहे आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन सुधारों को बहुत जरूरी बताया है। उन्होंने कहा है कि एग्रीकल्चर

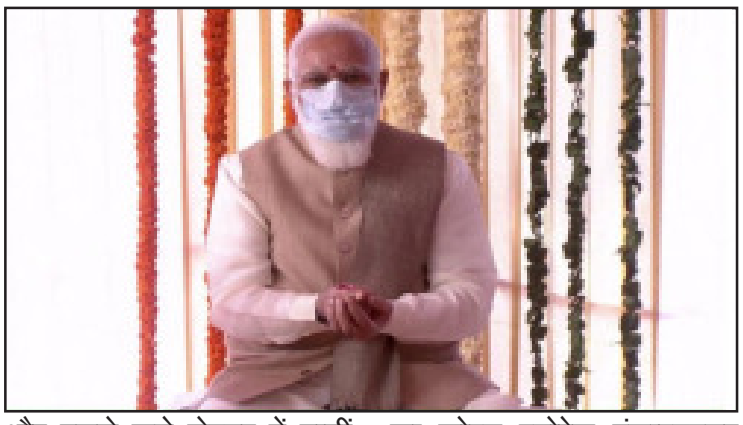

और इससे जुड़े सेक्टर में खड़ीं दीवारों और अड़चनों को खत्म किया जा रहा है। जिससे कृषि क्षेत्र में ज्यादा निवेश आने से सबसे ज्यादा फायदा किसानों को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स अ फ क मर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ६३वीं वार्षिक आम बैठक में कहा, एग्रीकल्चर सेक्टर और उससे जुड़े अन्य सेक्टर जैसे एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर हो, फूड प्रोसेसिंग हो, स्टोरेज हो, कोल्ड चौन हो इनके बीच हमने दीवारें देखी हैं। अब सभी दीवारें हटाई जा रही हैं, सभी अड़चनें हटाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन रिफॉर्म्स के बाद किसानों को नए बाजार मिलेंगे,नए विकल्प मिलेंगे, टेक्नोल जी का लाभ मिलेगा, देश का कोल्ड स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर आधुनिक होगा। इन सबसे कृषि क्षेत्र में ज्यादा निवेश होगा। इन सबका सबसे ज्यादा फायदा देश के किसान को होने वाला है। आज भारत के किसानों के पास अपनी फसल मंडियों के साथ ही बाहर भी बेचने का विकल्प है। आज भारत मे मंडियों का आधुनिकीकरण तो हो ही रहा है, किसानों को डिजिटल प्लेटफार्म पर फसल बेचने और खरीदने का भी विकल्प दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अलग–अलग सेक्टर में दीवारें नहीं ब्रिज (पुल) चाहिए। ताकि वे एक दूसरे का सपोर्ट कर सकें। बीते वर्षों में इन दीवारों को तोड़ने के लिए प्रयास किए गए हैं। देश के कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए बीते वर्षों में तेजी से काम किए गए है। उससे भारत का एग्रीकल्चर सेक्टर पहले से कहीं अधिक वाइब्रेंट हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये निश्चित है कि २१वीं सदी के भारत की ग्रोथ को गांव और छोटे शहर ही सपोर्ट करने वाले हैं। आप जैसे एंटरप्रोन्योर्स को गांव और छोटे शहरों में निवेश का मौका बिल्कुल नहीं गंवाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना काल के दौरान सरकार के प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमेशा से वैश्विक महामारी के साथ एक इतिहास, एक सबक जुड़ा रहा है। जो देश ऐसी महामारी के समय अपने ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को बचा ले जाता है, उस देश की बाकी सारी व्यवस्थाएं उतनी ही तेजी से सुधरती हैं। भारत ने अपने नागरिकों के जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। आज इसका नतीजा देश भी देख रहा है, दुनिया भी देख रहा है।

# दिल्ली में छाया कोहरा, वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह आसमान में घना कोहरा छाया रहा तथा सुबह आठ बजे यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) ३५४ दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में हवा की गुणवत्ता बहुत खराब हो गयी, जबकि पड़ोसी शहरों में एक–दो निगरानी केंद्रों में सूचकांक मूल्य ४०१ से ऊपर रहा, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि घना कोहरा छाये रहने और सापेक्ष आर्द्रता का स्तर ६० प्रतिशत होने से अंधेरा छाया रहा जिसकी वजह से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पकड़ा। मौसम विभाग ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी से सटे शहरों में भी वायु की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही। गाजियाबाद में कई जगहों पर वायु की गुणवत्ता खराब रही, जबकि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में एक निगरानी केंद्र पर एक्यूआई ४०१ से अधिक दर्ज की गई। घना कोहरा छाये रहने के कारण वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने यहां पर सोमवार को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस रहने के साथ ही कोहरा छाये रहने का अनुमान लगाया है।

# किसानों की माली हालत सुधारने के लिए सरकार कर रही चौतरफा प्रयास : तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायत राज और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शनिवार को कहा कि सरकार का मकसद किसानों की माली हालत में सुधार लाना है और इसके लिए चौतरफा प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों और कृषि क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए केंद्र सरकार चौतरफा प्रयास कर रही है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अहम कदम उठाए गए हैं, जिनका लाभ किसानों को मिलना शुरू भी हो गया है। ईलेट्स टेक्नो मीडिया द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नॉलेज एक्सचेंज समिट के दसवें संस्करण का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि सरकार आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से भी किसानों को फायदा पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास किसानों का बड़ा डाटा बैंक होगा, जिससे मिट्टी की जांच, बाढ़ की चेतावनी, सैटेलाइट की तस्वीरों से लेकर जमीन के राजस्व रिक र्ड जैसी सूचनाएं उन्हें घर बैठे ही मिलेंगी। उन्होंने कहा, सरकार का उद्देश्य है कि किसानों की माली हालत सुधरे, कृषि क्षेत्र फायदे में आए व नई पीढ़ी खेती की ओर आकर्षित हो।" देश में कृषि सुधारों के विषय पर आयोजित इस समिट में बतौर मुख्य अतिथि तोमर ने कहा कि कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों में बीते कुछ समय में कई नए आयाम जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र को प्राथमिकता पर रखा है और राज्यों के साथ मिलकर गांवों का विकास करना और गरीबों व किसानों के जीवन में खुशहाली लाना उनका प्रमुख लक्ष्य है जिसे हासिल करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। तोमर ने कहा, "हमारे गांव और कृषि क्षेत्र बरसों से इस देश की ताकत रहे हैं, जिन्हें और मजबूत करने पर सरकार का पूरा ध्यान है। इसी कड़ी में आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत एक लाख करोड़ रुपये के कृषि इंफ्रास्ट्रक्चॉर फंड की ऐतिहासिक शुरूआत हो चुकी है। इसका उपयोग गांवों में कृषि इंफ्रास्ट्रक्च र तैयार करने में किया जाएगा। इस फंड से कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस, साइलो, ग्रेडिंग और पैकेजिंग यूनिट्स लगाने के लिए लोन दिया जाएगा। कृषि मंत्री ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विकास के लिए १० हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि जब गांव–गांव में बुनियादी ढांचे तैयार होंगे तो किसान अपनी उपज को कुछ समय रोक कर रख पाएंगे जिससे उनको बाद में उचित मूल्य पर बेचने में सक्षम होंगे।

# किसानों को कितनी आहुति देनी होगी : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि सरकार भीषण ठंड के बावजूद आंदोलन करने को मजबूर

किसानों की बात सुनने को तैयार नहीं है इसलिए उसे बताना चाहिए कि किसानों को अभी कितनी आहुति देनी होगी। गांधी ने आज कहा, कृषि कानूनों को हटाने के लिए हमारे किसान भाइयों को और कितनी आहुति देनी होगी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, पिछले १७ दिनों में ११ किसान भाईयों की शहादत के बावजूद निरंकुश मोदी सरकार का दिल नहीं पसीज रहा। वह अब भी अन्नदाताओं के साथ नहीं, अपने धनदाताओं के साथ क्यों खड़ी है। देश जानना चाहता है– राजधर्म बड़ा है या राजहठ किसान आंदोलन। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में निरंकुशता का कोई स्थान नहीं। आप और आपके मंत्रियों की नीति हर विरोधी को माओवादी और देशद्रोही घोषित करने की है। भीषण ठंड और बरसात में जायज माँगों के लिए धरने पर बैठे अन्नदाताओं से माफी माँगिए और उनकी माँगें तत्काल पूरी करिए।

# खट्टर सरकार से समर्थन वापस लें दुष्यंत चौटाला : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि हरियाणा के उप मुख्यमंत्री एवं जननायक जनता पार्टी (जजपा) के नेता दुष्यंत चौटाला ने किसानों के साथ विश्वासघात किया है और उन्हें जनहित में राज्य सरकार से

समर्थन वापस लेना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि श्री चौटाला किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेने की बजाय राजनीति कर रहे है और भाजपा नेताओं की खुशामद में लगे हैं। उन्हें जनता के साथ विश्वासघात करने की बजाय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली सरकार से तत्काल समर्थन वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जजपा नेता को भाजपा नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों से बातचीत करने का ढोंग तथा फोटो खिंचवाने की बजाय अपने पद से त्यागपत्र देकर राज्य सरकार से समर्थन वापिस लेना चाहिए। प्रवक्ता ने कहा "दुष्यंत के पास सत्ता की मलाई में हिस्सेदारी के लिए भाजपा नेताओं से नगर परिषद और नगर पालिकाओं के चुनावी गठबंधन और राजनीतिक सौदेबाजी करने के लिए समय है लेकिन किसान आंदोलनकारियों से बात करने की फुर्सत नहीं है और यह उनकी प्राथमिकताओं को दर्शाता है।" उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता को भलीभांति याद है कि राज्य विधानसभा चुनाव से पहले जजपा और श्री चौटाला किस प्रकार से भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, सरकारी नौकरियों में हेराफेरी और किसानों की परेशानियों की बात करते थे लेकिन विधानसभा चुनावों में जजपा और श्री चौटाला ने भाजपा को मदद करने के लिए अपने प्रत्याशी उतारे और उसे जीतने में मदद की।

# ट्विटर ने ट्रम्प के अकाउंट पर अस्थायी तौर पर लगाई रोक

वाशिंगटन। ट्विटर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अकाउंट पर अस्थायी तौर पर रोक

लगा दी है। अमेरिका की न्यूज वेबसाइट द हिल ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। ट्रम्प ने चुनावी धोखाधड़ी तथा हाल ही में टेक्सास मुकदमे के बार में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर सिलसिलेवार ट्वीट किया, जिसे पर ट्विटर रेड चिह्न शो कर दिया। इसके साथ ही ट्विटर ने ट्रम्प के चुनाव से संबंधित ट्वीट को रिट्वीट करने वाले यूजर्स पर भी रोक लगा दी है। द हिल्स की रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प के ट्वीट को पढ़ने या शेयर करने की कोशिश करने वाले यूजर्स को मैसेज लिखा आ रहा था कि ट्विटर के नियमों का उल्लंघन करने के कारण ऐसे ट्वीट को अन्य लोगों तक पहुंचने से रोकने की यह प्रक्रिया है।

# संसद पर कायराना हमले को कभी नहीं भूलेंगे : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि देश संसद पर किए गए कायराना हमले को कभी नहीं भूलेगा और इसकी रक्षा करने वाले शहीदों के प्रति हमेशा ऋणी रहेगा। मोदी ने रविवार को एक ट्वीट संदेश में कहा , " वर्ष २००१ में हमारी संसद पर किए गए हमले को हम कभी नहीं भूलेंगे। संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की बाजी लगाने वाले शहीदों की बहादुरी को हम याद करते हैं। देश उनके प्रति हमेशा कृतज्ञ रहेगा। शाह ने कहा", २००१ में लोकतंत्र के मंदिर संसद भवन पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में दुश्मनों से लोहा लेते हुए अपना

सर्वोच्च न्योछावर करने वाले माँ भारती के वीर सपूतों को कोटि–कोटि नमन करता हूँ। कृतज्ञ राष्ट्र आपके अमर बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। "उल्लेखनीय है कि वर्ष २००१ में आज के ही दिन पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठनों लश्कर–ए– तैयबा और जैश ए मोहम्मद के आतंकवादियों ने संसद पर हमला किया था। इस हमले में दिल्ली पुलिस तथा संसद के सुरक्षाकर्मी और एक माली सहित ६ लोग शहीद हुए थे। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी और सूझबूझ का परिचय देते हुए पांचों आतंकवादियों को ढेर कर दिया था।

# संक्रमण में गिरावट जारी!

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण में गिरावट का सिलसिला लगातार दूसरे हफ्ते भी जारी है। रविवार को एक बार फिर कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या ३० हजार के नीचे रही। रविवार को देर रात तक २८ हजार के करीब केसेज आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या ६८ लाख ८५ हजार से ऊपर पहुंच गई। रविवार को संक्रमण से मरने वालों की संख्या तीन सौ के करीब रही, जिसके बाद मरने वालों की एक लाख ४३ हजार ३५० के करीब पहुंच गई। देश में एक्टिव केसेज घटने का सिलसिला भी दो हफ्ते से जारी है। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या ३० हजार से नीचे रहने का कारण यह है कि महाराष्ट्र, केरल और दिल्ली, इन तीनों राज्यों में संक्रमितों की संख्या में बड़ी गिरावट हुई है। देश में सबसे ज्यादा संक्रमित महाराष्ट्र में रविवार को संक्रमितों की संख्या चार हजार से नीचे आ गई। राज्य में ३,७१७ नए केसेज आए, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़ कर १८ लाख ८० हजार ४१६ हो गई। राज्य में ७० लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या ४८,२०६ हो गई। केरल में, जहां पिछले कुछ दिनों से सबसे तेजी से संक्रमण बढ़ रहा है वहां रविवार को फिर संक्रमितों की संख्या पांच हजार से नीचे आ गई। राज्य में ४,६६८ नए केसेज मिले, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर

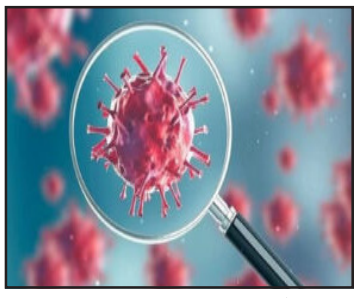

छह लाख ६६ हजार ३३१ हो गई। राज्य में २६ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की कुल संख्या २,६२४ हो गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी एक दिन की बढ़ोतरी के बाद रविवार को लगातार दूसरे दिन फिर संक्रमितों की संख्या दो हजार से नीचे आ गई। रविवार को दिल्ली में १,६८४ नए केसेज आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या छह लाख सात हजार ४५४ पहुंच गई। रविवार को दिल्ली ३३ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या १० हजार का आंकड़ा पार कर गई। दिल्ली मे कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या १०,०१४ हो गई। राजस्थान में रविवार को लगातार पांचवे दिन संक्रमितों की संख्या काबू में रही। राज्य में १,२६० नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़ कर दो लाख ६१ हजार २८६ हो गई। राज्य में १४ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों का आंकड़ा २,५४२ पहुंच गया। गुजरात में रविवार को १,१७५ सौ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर दो लाख २७ हजार ६८३ हो गई। दक्षिण भारत के सभी राज्यों में संक्रमितों की संख्या लगातार घट रही है। तेलंगाना में ५१३ और आंध्र प्रदेश में ५०६ नए केसेज आए। कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों जगह १२ सौ कम केसेज मिले। ये आंकड़े कोविड१९इंडिया डॉट ओआरजी के आंकड़ों पर आधारित हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक रविवार की देर शाम तक कुल संक्रमितों की संख्या ६८ लाख ५७ हजार ०२६, जिसमें से एक लाख ४४ हजार ०१६ लोगों की मौत हो चुकी है।

# प्रज्ञा ठाकुर ने फिर दिया विवादित बयान

भोपाल। बार–बार अपने बयानों से विवाद पैदा करने वाली भाजपा की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने दलितों को लेकर विवादित बयान दिया है तो किसान आंदोलन भी विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने पहले महात्मा गांधी के हत्यारे को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वे उनको कभी दिल से माफ नहीं कर पाएंगे। बहरहाल, प्रज्ञा सिंह ठाकुर सीहोर में एक क्षत्रिय सम्मेलन में शामिल हुई थीं, जहां उन्होंने जातियों को लेकर टिप्पणी की। भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ने कहा– हमारे धर्म शास्त्रों में समाज की व्यवस्था के लिए चार वर्ग तय किए गए हैं। क्षत्रिय को क्षत्रिय कह दो, बुरा नहीं लगता है। ब्राह्मण को ब्राह्मण कह दो, बुरा नहीं लगता। वैश्य को वैश्य कह दो, बुरा नहीं लगता। शूद्र को शूद्र कह दो, तो बुरा लग जाता है। कारण क्या है, क्योंकि नामसझी है। प्रज्ञा सिंह ने आगे कहा कि उन लोगों पर जनसंख्या नियंत्रण नियम लागू होना चाहिए, जो राष्ट्र के खिलाफ काम करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा

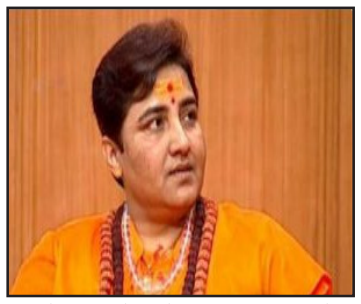

करने वालों के खिलाफ कोई कानून नहीं होना चाहिए। दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन पर उन्होंने कहा कि लेफ्ट पार्टियों और कांग्रेस इस आंदोलन को नियंत्रित कर रहे है। उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों में बदलाव की कोई जरूरत नहीं है और जो लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें जेल भेजना चाहिए।

# कोरोना संक्रमित हुए नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने खुद ट्विट करके रविवार

को इसकी जानकारी दी। तीन दिन पहले ही वे पश्चिम बंगाल के दो दिन के दौरे से लौटे थे। गौरतलब है कि बंगाल दौरे में गुरुवार को उनके काफिले पर पथराव हुआ था, जिसमें भाजपा के कुछ नेता घायल हो गए थे, जिसे लेकर अभी तक विवाद चल रहा है। बहरहाल, नड्डा ने रविवार को खुद ट्विट कर अपने कोरोना संक्रमित होने की सूचना दी और पिछले कुछ दिनों में उनके संपर्क में आए लोगों से टेस्ट कराने की अपील की। नड्डा ने यह भी कहा कि उनकी तबीयत ठीक है और होम आइसोलेशन के तहत सभी निर्देशों का पूरी तरह पालन भी कर रहे हैं। इससे पहले भाजपा के कई अन्य नेता भी वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित केंद्र सरकार के १० मंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें से एक मंत्री सुरेश अंगड़ी का संक्रमण से निधन भी हो गया।

# किसान आंदोलनः बच्चों के लिए खाली सड़कें बनी रेस लगाने की जगह

गाजीपुर बॉर्डर (दिल्ली/उप्र)। दिल्ली–हरियाणा ब र्डर के अलावा दिल्ली–यूपी बॉर्डर पर किसानों का धरना जारी है। कृषि कानून के खिलाफ किसानों द्वारा ये प्रदर्शन किया जा रहा है। किसानों के इस प्रदर्शन को तीसरा हफ्ता होने जा रहा है। लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है। जिसके कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को जोड़ने वाले मार्ग पूरी तरह से बंद पड़े हुए हैं। इन मार्गो के बंद होने का फायदा स्थानीय इलाकों के बच्चे खूब उठा रहे हैं। उन्हें खेलने की एक नई जगह भी मिल गई है। दरअसल गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन के चलते नेशनल हाईवे २४ एक तरफ से बंद कर दिया गया है। तो वहीं इसी हाईवे से सटे नेशनल हाईवे ६ को भी बंद किया गया है। जिसपर स्थानीय

इलाके के बच्चे साइकिल से रेस लगा रहे हैं, और गिल्ली डंडा भी खेल रहे हैं। सुबह से ही अपने घरों से ये सभी बच्चे इन मार्गों पर अपने दोस्तों के साथ इकट्ठा हो जाते हैं और गिल्ली डंडा खेलना शुरू कर देते हैं। हालांकि जब सभी बच्चे थक जाते हैं तो थोड़ा आराम कर फिर खेलना शुरू कर देते हैं। साथ ही भूख लगने पर बॉर्डर पर लगे लंगर का भी लुत्फ उठाते हैं। हालांकि कुछ बच्चे खाली सड़कों पर रेस लगा रहे हैं और जमकर साइकिलों को इन मार्गों पर दौड़ा रहे हैं, वहीं आपस मे अपने दोस्तों से ये बहस भी करते हैं कि कौन कितनी देर में एक उचित दूरी तय कर लेगा। गाजियाबाद स्थित खोड़ा क लोनी के निवासी १२ वर्षीय अमन ने आईएएनएस को बताया, पहले हम अपनी गलियों में साइकिल चलाते थे, लेकिन फिलहाल सड़कें खाली होने के कारण हम इधर साइकिल चला रहे हैं। जिसमें हम सभी दोस्तों को बड़ा अच्छा लग रहा है। गाजीपुर बॉर्डर पर खड़े ट्रैक्टरों, ४ पहिया वाहन और मोटर बाइक भी इन बच्चों के लिए खेलने का एक नया जरिया बन गया है। स्थानीय बच्चे अब दिन में ही छुपन छुपाई भी खेलते हैं। हालांकि इन बच्चों को आस पास खड़े किसान भी डांट दिया करते हैं। लेकिन कुछ देर बाद फिर वही खेल शुरू हो जाता है। फिलहाल अभी यह कह पाना मुश्किल होगा कि कब तक इस तरह से ये बच्चे इन खाली मार्गों का लुत्फ उठाएंगे। लेकिन सरकार लगातार बंद बड़े सभी रास्तों को खोलने के लिए किसानों से आह्वान कर रही है। लेकिन किसान कृषि कानूनों के खिलाफ अपना प्रदर्शन इन सड़कों पर ही कर रहे हैं। किसानों ने साफ कर दिया है कि जब तक सरकार इन कानूनों को वापस नहीं ले लेती तब तक हम इन सड़कों से नहीं हटेंगे।

# अद्भुत ताजमहल : अनोखी

**अमरेन्द्र सहाय अमर**

मुमताज महल को लेकर कई कहानियां मशहूर हैं. शाहजहां अपनी सेना के साथ बुरहानपुर में थे. जहान लोदी पर चढ़ाई थी. साथ में मुमताज भी थीं शाहजहां के साथ. यहीं पर करीब ३० घंटे लंबे लेबर पेन के बाद अपने १४ वें बच्चे को जन्म देते हुए मुमताज की मौत हो गई शाहजहां और मुमताज का साथ १६ साल रहा. जब मुमताज महल अपनी आखिरी सांसें ले रही थीं, मुमताज को देखने के लिए शाहजहां दौड़े–दौड़े आए थे. सगाई पहले मुमताज से ही हुई थी, लेकिन शादी किसी और बेगम से पहले की. मुमताज शाहजहां की दूसरी बेगम बनीं. मगर तीन बीवियों में सबसे प्रिय मुमताज ही थीं. शाहजहां बाकी दोनों बेगमों को नेगलेक्ट किया करते थे. कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी. इसलिए उनके शव को आगरा लाकर दफनाया गया था. ताजमहल के बारे में अब कुछ लोग कहते हैं कि पहले वहां शिव मंदिर था लेकिन शिव मंदिर होने का कहीं कोई सबूत नहीं मिलता है. आमेर के राजा से यमुना तट पर १६३२ में मकबरे के लिए जमीन की खरीद गई थी. बदले में आमेर के राजा को जमीन के चार टुकड़े दिए गए.इसके अलावा, मीर अब्दुल करीम और मुकम्मत खां को निर्माण का जिम्मा सौंपा गया. आर्किटेक्ट के तौर पर अबू ईसा, ईसा मोहम्मद एफ्फेंदी, जेरोनिमो वेरोनियो का भी जिक्र आता है लेकिन दरबारी इतिहासकार लाहौरी लिखते हैं कि ताजमहल खुद शाहजहां का बनाया डिजाइन है. यह भी कहा जाता है कि अपनी बेगम मुमताज महल की मृत्यु के बाद शाहजहाँ ने कभी रंगीन कपडे नही पहने.जिन मजदूरों ताजमहल के निर्माण कार्य में लगाया गया, उनके लिए मुमताजाबाद बसाया गया. इस काम में ५,००० से २०,००० मजदूर लगाए गए. ताजमहल बनवाने के लिए जो पत्थर लाए जाते, उसके लिए २० से ३० बैलों से खींची जाने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाता था. इसके लिए १० मील लम्बा ऊंचा रास्ता बनाया गया. ताजमहल के लिए फारसी नक्काश अमानत खां ने नक्काशी शुरू की. दो जगह उन्होंने अपना नाम और तारीख भी लिखी है. १६३५ और १६३८ की दो तारीखें मिलती हैं. ताजमहल को चीन, रूस, मिस्र, श्रीलंका और तिब्बत से लाए जवाहरात से सजाया गया था. १६४३ में अपनी बेगम के लिए शोक जताने ताजमहल गए शाहजहां ने मोतियों की चादर चढ़ाई थी ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि यह लकड़ियों पर टिका है.इन लकड़ियों को मजबूत रहने के लिए नमी की जरूरत पड़ती है. यह नमी इन लकड़ियों को यमुना नदी से मिलती रहती है. ताजमहल दुनिया का सबसे अधिक देखने वाला पर्यटक स्थल है. औसत रूप से प्रतिदिन इसे देखने के लिया १२,००० लोग आते है . इसमें ३० प्रतिशत लोग विदेशी होते हैं. ताजमहल से प्रतिवर्ष २५ करोड़ रुपयों की आमदनी होती है. ताजमहल का रंग सुबह के समय गुलाबी दोपहर के समय सफेद और शाम के समय सुनहरा दिखाई देता है. ताजमहल के निर्माण में उस समय तीन करोड़ रूपये लगे थी. ताजमहल के निर्माण में २२ वर्ष लगे थे . कहा यह भी जाता है कि शाहजहाँ ताजमहल जैसी एक काली ईमारत भी बनवाना चाहता था लेकिन उसके पुत्र औरंगजेब ने उसे कारागार में डाल दिया था इसलिए उसका यह सपना पूरा न हो सका. ताजमहल के चारो ओर जो मीनारें बनी हुयी हैं वह इस तरह से हैं कि अगर भूकम्प भी आये तो यह बीच मकबरे पर नहीं गिरेंगी. ताजमहल को बनाने में २८ अलग अलग तरह के कीमती पत्थरों का उपयोग किया गया. इन्हें कई देशों से मगाया गया था. इस काम में १००० हाथियों का इस्तेमाल किया गया था।

## अवैध शराब के खिलाफ सख्त एक्शन में दिख रहा है पुलिस विभाग

### भीरा थाने की टीम ने क्षेत्र में मारा छापा एक हिरासत में

लखीमपुर खीरी। जनपद के पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देशों का पालन करते हुए भीरा पुलिस ने अवैध शराब बनाने वालों तथा शराब माफियाओं के खिलाफ एक अभियान चला रखा है इसी के तहत आज पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के गांव फुटहा में अवैध शराब का धंधा जोरों पर चल रहा है पुलिस टीम तुरंत एक्शन में आकर फुटहा गांव पहुंची और सुनियोजित तरीके से छापा मारा इस छापे में टीम ने मौके से कई लीटर लहन नष्ट की तथा शराब बनाने वाले उपकरणों को जब्त किया तथा गांव के ही धर्मेंद्र को शराब बनाते हुए पकड़ कर हिरासत में ले लिया और बाकी पूरे गांव को चेतावनी दी कि अवैध शराब बनाने वालों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्यवाही मैं दरोगा विनोद यादव के साथ दीवान समरजीत सिंह कांस्टेबल ओम सिंह समेत पूरी टीम साथ में रही

## तमंचा बरामद कर जेल भेजा

लखीमपुर खीरी। कस्ता पुलिस अधीक्षक विजय ढुल द्वारा जनपद खीरी में अपराधों की रोकथाम के क्रम में अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक मितौली शीतांशु कुमार व थाना प्रभारी मितौली अनिल कुमार सैनी के पर्यवेक्षण में उपनिरीक्षक सुनील कुमार सिंह द्वारा हमराही फोर्स के साथ रात्रि गश्त के दौरान थाना क्षेत्र के ग्राम चक रामपुर निवासी दस्यु सरगना विद्यासागर को गिरफ्तार कर अभियुक्त के कब्जे से १२ बोर तमंचा बरामद कर जेल भेजा गया है मितौली पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त थाना मितौली का टॉप टेन अपराधी है

## गौरीफंटा बॉर्डर पर भारतीय व नेपाली दलालों के बीच हुआ खूनी संघर्ष

गौरीफंटा खीरी। इंडो नेपाल सीमा पर सक्रीय भारतीय एवं नेपाली दलालों के दो गुटों में अवैध धन उगाही के कारण खूनी संघर्ष देखने को मिला, बताया जाता है की गौरीफंटा बॉर्डर पर जिस तरीके से यह खूनी संघर्ष हुआ है उससे दोनों देशों की सुरक्षा व्यवस्था पर संदेह होने लगा है सबसे बड़ा कारण बॉर्डर की तमाम सुरक्षा एजेंसियां है जो चंद रुपयों की खातिर देश की आन बान शान को खतरे में डालकर यह सब किया जा रहा है वह भी चंद रुपयों की खातिर, जो विभागों के लिए चुनौती साबित हो रहा है। कई दिनों से चल रहे विवाद ने आज खूनी संघर्ष का विकराल रूप अख्तियार कर लिया है इसी के चलते नोमैन्स लैंड पर स्थित ढोके बाजार में सक्रिय दर्जनों नेपाली दलालों ने भारतीय दलाल को पीट पीट कर लहू लुहान कर दिया वही भारतीय सीमा में इस घटना से गुस्साए भारतीय दलालों ने नेपाली नागरिकों से मारपीट करते हुए सीमा से खदेड़ा और जाम कर हंगामा काटना शुरू कर दिया। इस दौरान भ्रस्टाचार के आकंठ में डूबी दोनों देश की सुरक्षा एजेंसियां मूकदर्शक बनकर तमाशा देखती रही। वही सवाल खड़ा होता है कि आखिर दोनों देशों के नो मैंस लैंड पर खूनी संघर्ष चलता रहा और दोनों देशों की सुरक्षा व्यवस्था क्या कर रही थी जो ऐसे तस्करों पर लगाम नहीं लगा पाई जो दोनों देशों को हानि पहुंचा रहे हैं इसमें सोचने वाली बात यह है कि जिन लोगों को

बार्डर की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मेदारी दी गई है उन्हीं के सामने सब होता रहा वह रे सिस्टम ऐसे ही तस्कर व दलालों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। उल्लेखनीय हैं कि अति संवेदनशील कही जाने वाली इंडो नेपाल सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों , निजी बस यूनियन एवं सत्ता पक्ष के दल बदलू छुट भैया सफेदपोश नेताओ का संरक्षण प्राप्त दलालों ने कोरोना काल मे तीन माह बॉर्डर पर डेरा जमाए बैठे हुए हैं संदिग्ध कार्यो में लिप्त सीमा पर सक्रिय भारतीय व नेपाली दलाल जहाँ कोरोना काल ,दफा १४४ की धज्जियां उड़ाते हुए कानून व्यवस्था को चुनोती दे रहे हैं वही सुरक्षा एजेंसियों के नाम पर नेपाली तथा भारतीय नागरिकों का आर्थिक शोषण सहित प्रतिबंधित सामानों की भी तस्करी कर रहे हैं। इसी के चलते बर्चस्व की जंग को लेकर शनिवार को इंडो नेपाल सीमा के प्रवेश द्वार पर भारतीय एवं नेपाली दलालों के बीच जमकर मारपीट हुई जो बाद में खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई जैसे ही उक्त घटना की जानकारी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश चंद्र यादव को हुई तत्काल मौके पर पहुंचे और कुछ लोगों को गिरफ्तार कर लिया, पकड़े गए युवक के पास से हाकी, डंडे कई अन्य चीजें पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार छुट भैया नेता व यूनियन के लोग दलालों को छुड़ाने के प्रयास में गौरीफंटा कोतवाली के इर्द–गिर्द घूम रहे है।

# सिस गोमती ने लेसा ट्रांसगोमती को 14 रनों से हराया

लखनऊ। प्रदीप वर्मा की बल्लेबाजी की बदौलत लेसा सिस गोमती ने लेसा ट्रांसगोमती को १४ रनों से पराजित कर जीत का परचम लहराया। लेसा अभियन्ता संघ द्वारा खुर्रमपुर पॉवर हाउस ग्राउंड पर रविवार को आयोजित मैच का उद्घाटन मुख्य अभियंता (लेसा ट्रांसगोमती) इं. प्रदीप कक्कड़, मुख्य अभियंता (लेसा सिस गोमती) इं. मधुकर वर्मा व अधीक्षण अभियंता इं. डीके त्रिपाठी ने किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लेसा सिस गोमती की टीम ने निर्धारित २० ओवर में ६ विकेट खोकर २०७ रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से प्रदीप वर्मा ने २ छक्कों व १२ चौकों की बदौलत ३६ गेंदों पर सर्वाधिक ७७ रन बनाए। जबकि देवेंद्र सिसोदिया ने २ छक्कों व ४ चौकों की बदौलत २७ गेंदों पर सर्वाधिक ३७ रन और विशाल त्रिपाठी ने १ छक्कों व ३ चौकों की बदौलत १४ गेंदों पर सर्वाधिक २० रन बनाये। लेसा ट्रांसगोमती की ओर से अंशुमान यादव ने ४ ओवर में ३० रन देकर २ विकेट, श्रेयांश ने ३ ओवर में ३१ रन देकर २ विकेट और सूरज वर्मा ने २ ओवर में सर्वाधिक ४४ रन देकर २ विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लेसा ट्रांसगोमती की टीम ६ विकेट खोकर मात्र १६३ रन ही बना सकी और लेसा सिस गोमती ने १४ रनों से मैच अपने नाम किया। लेसा ट्रांसगोमती की ओर से चंद्र प्रकाश ने ४ छक्कों व ३ चौकों की बदौलत २५ गेंदों पर सर्वाधिक ४४ रन बनाये। जबकि दिनेश प्रजापति ने २ छक्कों व ५ चौकों की बदौलत ३४ गेंदों पर सर्वाधिक ३६ रन और हिमांशु वार्ष्णेय ने २ छक्कों व ३ चौकों की बदौलत १२ गेंदों पर सर्वाधिक २६ रन बनाये। लेसा सिस गोमती की ओर से प्रदीप वर्मा ने ४ ओवर में २६ रन देकर ३ विकेट, आलोक शुक्ला ने ४ ओवर में २५ रन देकर ३ विकेट और अभिषेक कुमार ने २ ओवर में सर्वाधिक ३२ रन देकर १ विकेट झटका। सर्वाधिक ७७ रन बनाने के साथ ही ३ विकेट झटकने वाले सिस गोमती के प्रदीप वर्मा को मैन अ फ द मैच चुना गया। मैच के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ उत्तर प्रदेश के महासचिव इं. प्रभात सिंह, प्रचार सचिव इं. आलोक श्रीवास्तव, मध्यांचल उपाध्यक्ष इं. रणवीर सिंह, सहायक सचिव मध्यांचल इं. करुणेंद्र कुमार वर्मा, केन्द्रीय कमेटी के सदस्य इं. संदीप तिवारी ने दोनों रनर टीमों के खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

## जब लता मंगेशकर ने 'बड़े भाई दिलीप कुमार जी' को दी जन्मदिन की बधाई

मुंबई। स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए, उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। कल बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार ९८ साल के हो गए। बड़े भाई दिलीप कुमार जी का जन्मदिन है। मैं उनको बहुत बधाई देती हूं और ये प्रार्थना करती हूं कि उनकी सेहत अच्छी रहे। इस मौके पर मंगेशकर ने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह बड़े प्यार से दिग्गज अभिनेता को



कुछ खिलाते हुए नजर आ रही हैं। इस मौके पर बॉलीवुड के कई दिग्गजों ने सोशल मीडिया पर उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। ऐसे में गायिका लता मंगेशकर ने भी उन्हें बधाई दी। उन्होंने ट्वीट कर अपने 'बड़े भाई दिलीप कुमार जी' के लिए एक नोट लिखा। लता ने ट्वीट किया, नमस्कार। आज मेरे कुछ खिलाते हुए नजर आ रही हैं। अभिनेता को बॉलीवुड की कई प्रमुख हस्तियों शाहरुख खान, धर्मेन्द्र, कमल हसन, अजय देवगन, माधुरी दीक्षित, राज बब्बलर, शेख सुमन, सुभाष घई, मीका सिंग और अदनान सामी आदि ने भी सोशल मीडिया के जरिए शुभकामनाएं दीं।

## कैटरीना-ईशान ने शुरू की फिल्म फोन भूत की तैयारी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ-ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी ने आने वाली फिल्म फोन भूत की तैयारी शुरू कर दी है। बॉलीवुड में इन दिनों हॉरर-कॉमेडी फिल्में बनाने का चलन जोरों पर है। हॉरर कॉमेडी फिल्म फोन भूत में कैटरीना कैफ, ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी साथ में पहली बार काम कर रहे हैं। तीनों कलाकारों ने फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है और सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट भी किए हैं। कैटरीना कैफ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की स्क्रिप्ट के फोटो को शेयर किया है। उन्होंने लिखा, तैयारी का समय है, लेकिन इन क्यूट पोस्ट्स को तो देखो। फोटो में आप स्क्रिप्ट पर फोन भूत लिखा हुआ देख सकते हैं। वहीं सिद्धांत चतुर्वेदी ने भी स्क्रिप्ट का फोटो शेयर किया है। ईशान खट्टर ने अपनी तैयारी को लेकर एक फनी पोस्ट शेयर किया। ईशान ने स्क्रिप्ट की फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, तैयारी। एमबीसी की पढ़ाई जारी



है। मास्टर्ज इन भूत कैप्चरिंग। बताया जा रहा है कि इस ह रर कॉमेडी फिल्म में कैटरीना, सिद्धांत और ईशान भूत पकड़ने वाले लोगों का किरदार निभाएंगे। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं। फोन भूत वर्ष २०२१ में रिलीज होगी।

## अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' दशहरे में होगी रिलीज

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन ने शनिवार को ऐलान किया कि उनकी आने वाली फिल्म 'मैदान' १५ अक्टूबर, २०२१ को दशहरे के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जनवरी में इसकी शूटिंग शुरू होगी। हैश टैग मैदान२०२१।" हालांकि अगले साल की शुरुआत में शूटिंग के शुरू होने से पहले ही फिल्म के कुछ हिस्से पहले लखनऊ,






होगी। यह फिल्म फुटबॉल कोच और सन १९५० से १९६३ में अपने निधन तक इंडियन नेशनल टीम के मैनेजर रहे सैय्यद अब्दुल रहीम की जिंदगी से प्रेरित है। अजय देवगन ने फिल्म के एक पोस्टर को साझा करते हुए ट्वीट किया, ""मैदान' साल २०२१ के दशहरे पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज कोलकाता और मुंबई में फिल्मा लिए गए हैं। फिल्म की शूटिंग का ६५ प्रतिशत हिस्सा पूरा कर लिया गया है और इसके फाइनल शेड्यूल को अप्रैल तक खत्म कर लिया जाएगा। अमित रवींद्रनाथ शर्मा फिल्म के निर्देशक हैं, जिसमें प्रियमणि, गजराज र व और रुद्रनील घोष जैसे कलाकार भी हैं।

## जैकी चौन को पसंदीदा अभिनेता मानती है दिशा पाटनी

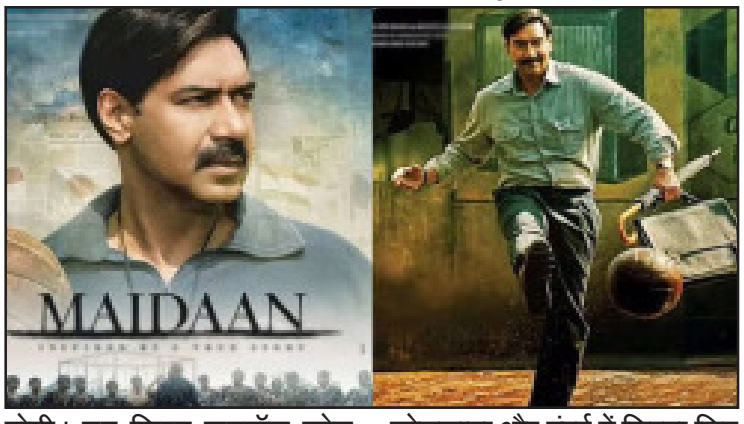



मुंबई। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री दिशा पाटनी, एक्शन स्टार जैकी चौन को पसंदीदा अभिनेता मानती हैं। दिशा पाटनी ने कम समय में बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बना ली है। दिशा पाटनी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर क्वेश्चन-आन्सर सेशन किया, जिसमें उन्होंने फैंस के कई सवालों के जवाब दिए। दिशा पाटनी ने बताया कि उन्हें कोरियाई ड्रामा से प्यार है और 'एवेंजर्स' उनकी सबसे पसंदीदा ह लीवुड फिल्म है। पसंदीदा अभिनेता के बारे में पूछे जाने पर दिशा ने 'जैकी चौन' का नाम लिया। दिशा पाटनी ने बताया कि उनके लिए स्कूल में सबसे खतरनाक और डराने वाला विषय रसायन विज्ञान और ब टनी था। दिशा पाटनी ने हाल ही में प्रभुदेवा के निर्देशन में बनी सलमान खान और रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म 'राधे' की शूटिंग पूरी की है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
l|t; ckt ib|
lhrki|j
ek-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
l|j'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk d|ekj] fcgkj
ek-09386075289
मो० अरशद
C;|jk phQ
eÅ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक